राजस्थान पत्रिका, पृष्ठ नं: 02, दिनांक: 08.06.2025

चोरी से पहले रैकी करने को किराए पर लेते थे कार और मकान, गांधीनगर एलसीबी ने दबोचा, 35 मामले सुलझने का दावा

मेट्रो लाइन की केबल चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 4 गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो रूट पर केबल की चोरी करने वाले गिरोह का गांधीनगर लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने पर्दाफाश किया है। अंतरराज्यीय खेकड़ा गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार करते हुए मेट्रो केबल चोरी से जुड़े 35 मामलों की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। यह गिरोह न केवल गुजरात बल्कि महाराष्ट्र, दिल्ली और अन्य राज्यों में भी मेट्रो व अन्य की केबल चोरी कर चुका है।

गांधीनगर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक वीरेंद्रसिंह यादव, पुलिस अधीक्षक रवितेजा वासमसेट्टी ने संवाददाताओं को बताया कि कोबा मेट्रो स्टेशन के पास 17.85 लाख रुपए के 700 मीटर केबल की चोरी हुई थी। गंभीरता को देखते हुए चार टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण की मदद से आरोपियों की पहचान की गई। फिर कलोल के एक मकान में छापा मारकर चार आरोपियों को धर दबोचा। इनमें मुशर्रफ मुलेजाट, राशिद धोबी, राशिद अंसारी और इरशाद मलिक शामिल हैं। ये उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के रहने वाले हैं। आरोपियों ने अहमदाबाद, पुणे, मुंबई और दिल्ली में भी मेट्रो केबल चुराने का आरोप कबूला है। इनके पास से 2.96 लाख रुपए की चोरी की सामग्री, मोबाइल, कार बरामद की है। 13 अन्य व्यक्तियों के नाम का खुलासा हुआ है।

केबल चुराने के बाद ट्रेन से अन्य राज्यों में भेजते

गिरोह के सदस्य किराए पर मकान लेकर आसपास के मेट्रो स्टेशनों की रैकी करते। चोरी को अंजाम देने के बाद केबल को ट्रेन से अन्य राज्यों में भेज देते थे। जिन मेट्रो स्टेशनों से केबल चुराने के आरोप कबूले हैं उन सभी इलाकों की पुलिस से संपर्क किया जा रहा है।

होटल में ठहरते, किराए की गाड़ी से करते रैकी

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी अलग-अलग राज्यों में, जहां मेट्रो लाइन चालू है, वहां जाते थे। रेलवे स्टेशन के पास की होटलों में ठहरते। सेल्फ-ड्राइविंग के तहत कार किराए पर लेते और रैकी करते। उसके बाद ये स्थानीय ब्रोकरों से संपर्क कर मकान किराए पर लेते, ताकि चोरी का माल छुपाया जा सके। ये ऐसे स्थल को चिन्हित करते जहां मेट्रो ब्रिज के पिलर के पास कोई बड़ा पेड़ या सहारा देने वाली दीवार हो। रात को ये पेड़ या दीवार से ऊपर चढ़कर मोटे कटर से केबल काटकर चोरी कर लेते। उसे किराए के मकान में प्लास्टिक या रबर की परत हटाकर कॉपर वायर निकाल लेते। इन तारों को पैक कर ट्रेन से दिल्ली भेज देते थे, जहां तांबा बेचते थे।